भुला दो अपराध साँवरे

कुछ समझ ना आये, खाटू वाले,
ये खेल क्या रचाया तुमने,
उन अखियों में कैसे देखु आँसू,
के जिन्हे था हँसाया तुमने,
मेरे अपराध भुला दो श्याम,
बोलो श्याम, बोलो श्याम।
क्षमा कर दो गुनाहों को हमारे,
भुला दो अपराध साँवरे।
उन अखियों में कैसे देखु आँसू,
के जिन्हे था हँसाया तुमने।

नहीं और किसी का सहारा,
सहारा बनों श्याम फिर से,
उन अखियों में कैसे देखु आँसू,
के जिन्हे था हँसाया तुमने।
बोलो श्याम, बोलो श्याम।

आई जाने कहाँ से महामारी,
ये जान की शिकारी बन कर,
उन अखियों में कैसे देखु आँसू,
के जिन्हे था हँसाया तुमने।
बोलो श्याम, बोलो श्याम।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22072/title/bhula-do-aprath-sanware

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |